www.a2zpapers.com

Class – M.A Ist Year

Subject – पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Paper– VIII

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

प्रथम-भाग

लघु-उत्तरापेक्षी प्रश्न

किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न छः अंकों का है

$8 \times 6 = 48$

(i) प्लेटो के प्रत्ययवाद को स्पष्ट करें।

(ii) टी.एस. इलियट की 'परंपरा' की अवधारणा' पर प्रकाश डालिए।

(iii) पाश्चात्य आलोचना के इतिहास का परिचय प्रस्तुत करें।

(iv) प्लेटो ने श्रेष्ठ काव्य के किन गुणों का होना आवश्यक माना है?

(v) आइवर आर्मस्ट्रांग रिचर्ड्स का काव्य भाषा संबंधी सिद्धांत क्या है?

(vi) आइ. ए. रिचर्ड्स के अनुसार 'संवेगों के संतुलन' को स्पष्ट करें।

(vii) अनुकरण-सिद्धांत की परिभाषा देते हुए अरस्तु द्वारा अनुकरण के विषयों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(viii) टी.एस. इलियट का 'निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत' पर प्रकाश डालिए।

(ix) 'बेनेदेतो क्रोचे' द्वारा प्रतिपादित 'अभिव्यंजनावाद' को स्पष्ट करते हुए 'आत्मा' की कितनी स्थितियां हैं? संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(x) अरस्तु के 'विरेचन सिद्धांत' को स्पष्ट करते हुए विरेचन सिद्धांत की विभिन्न व्याख्याकारों द्वारा दी गई व्याख्या का परिचय दें।

(xi) मैथ्यू आर्नल्ड के अनुसार आलोचना से क्या अभिप्राय है?

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

द्वितीय-भाग

(i) अरस्तु के त्रासदी सिद्धांत का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसके विभिन्न अंगों का वर्णन कीजिए।

(ii) 'स्वच्छन्दतावाद' की परिभाषा देते हुए उसके कारणों एवं विशेषताओं का संक्षिप्त रूप से वर्णन करें।

(iii) लोंजाइनस के 'उदात्त तत्व' की अवधारणा का निरूपण कीजिए।

*****

www.a2zpapers.com